SOCIAL STUDIES

Class 10th

(HISTORY)

Chapter 2: भारत में राष्ट्रवाद

To get notes visit our website

mukutclasses.in

अभ्यास के प्रश्न

संक्षेप में लिखे :

Q1. व्याख्या करें -

(क) उपनिवेशों में राष्ट्रवाद के उदय की प्रक्रिया उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलन से जुड़ी हुई क्यों थी?

उत्तर : 1. उपनिवेशवाद विरोधी आन्दोलन के साथ राष्ट्रवाद की भावना गहराई से जुड़ी हुई है।

2. औपनिवेशिक शासकों ने जनता पर बहुत अत्याचार किए।

3. राष्ट्रवाद की भावना से लोगों में आपसी एकता बढ़ने लगी। लोग शासकों के खिलाफ संघर्ष में आपसी एकता के महत्व को समझने लगे।

4. राष्ट्रवाद और उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलन दोनों के उद्देश्य समान थे।

5. अतः राष्ट्रवाद के उदय की प्रक्रिया उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलन से जुड़ी हुई है।

(ख) पहले विश्व युद्ध ने भारत में राष्ट्रीय आंदोलन के विकास में किस प्रकार योगदान दिया?

उत्तर : प्रथम विश्व युद्ध ने भारत में राष्ट्रीय आंदोलन के विकास में निम्न योगदान दिया -

1. प्रथम विश्व युद्ध के कारण रक्षा खर्च बहुत बढ़ गया था।
2. इस खर्च की भरपाई के लिए अंग्रेजों ने करों में वृद्धि कर दी थी।
3. अंग्रेजों ने भरतीयों से पूछे बिना भारत को युद्ध में एक पार्टी बना दिया।
4. अंग्रेजों ने भारतीयों को सेना में जबरन भर्ती किया जिससे जनता में व्यापक गुस्सा था।
5. 1918-21 अकाल और सूखे के कारण बहुत सारी मौत हो गई थी जिससे जनता में बहुत रोष था।

(ग) भारत के लोग रॉलट एक्ट के विरोध में क्यों थे?

उत्तर : भारतियों के रोलेक्ट एक्ट के विरोध करने के निम्नलिखित कारण थे -

1. यह एक काला कानून के नाम से जाना जाता था।
2. इस कानून के अंतर्गत किसी भी व्यक्ति को बिना मुकदमा चलाये जेल में डाल सकते थे।
3. इस कानून को बिना भारतीयों की मंजूरी के जल्दबाजी में पास किया गया था।
4. यह कानून राष्ट्रीय आंदोलनों को दबाने के उद्देश्य से लाया गया था।
5. कांग्रेस और मुस्लिम लीग दोनों इसके विरोध में थे।

(घ) गांधी जी ने असहयोग आंदोलन को वापस लेने का फैसला क्यों लिया?

उत्तर:

1. फरवरी 1922 में गोरखपुर जिले में स्थित चौरी-चौरा बाजार से एक शांतिपूर्ण जुलूस निकाला गया।
2. पुलिस के साथ टकराव से यह जुलूस हिंसक हो गया।
3. इसके बाद आंदोलनकारियों ने पुलिस चौकी को आग लगा दी।
4. जिसमें 22 इस पुलिसकर्मी जिंदा जला दिए थे।
5. इस घटना से आहत होकर गांधी जी ने 12 फरवरी 1922 को असहयोग आंदोलन को वापस लेने का फैसला किया।

प्रश्न 2. सत्याग्रह के विचार का क्या मतलब है?

उत्तर:

1. सत्याग्रह के विचार का मतलब है आधार सत्य की शक्ति पर आग्रह करना है।
2. गांधी जी ने सत्य की खोज पर जोर दिया।
3. इसका अर्थ यह है कि अगर आपका उद्देश्य सच्चा है तो अन्याय के खिलाफ संघर्ष करने में किसी शारीरिक बल की आवश्यकता नहीं होती।
4. सत्याग्रही केवल अहिंसा के बल पर अपने संघर्ष में सफल हो सकता है।

प्रश्न 3. निम्नलिखित पर अखबार के लिए लिखें

(क) जलियाँवाला बाग हत्याकांड (ख) साइमन कमीशन

उत्तर: (क) जलियाँवाला बाग हत्याकांड
13 अप्रैल, 1919 को जलियाँवाला बाग में हत्याकांड हुआ। इस दिन पंजाब के अमृतसर के जलियांवाला बाग़ में लोग बैसाखी के मेले में सम्मिलित होने के लिए एकत्र हुए। कुछ लोग सरकार द्वारा लागू किए गए रौलट एक्ट के विरोध में प्रदर्शन करने के लिए एकत्रित हुए थे। लोगों को पता नहीं था कि इस इलाके में मार्शल लॉ लागू किया जा चुका है। अचानक जनरल डायर ने बाग के मुख्य द्वारों को बंद करवा दिया। उसने बिना किसी चेतावनी के निहत्थे लोगों पर गोली चलाने का आदेश दे दिया। इस गोलाबारी में सैकड़ों लोग मारे गए। इस घटना की जानकारी जैसे ही लोगों को प्राप्त हुई उनमें सरकार के विरुद्ध आक्रोश और गुस्सा भड़क उठा।

उत्तर: (ख) साइमन कमीशन
सन् 1928 में ब्रिटेन की सरकार ने सर जॉन साइमन की अध्यक्षता में सात सदस्यों का एक कमीशन भारत भेजा। इस कमीशन का मुख्य काम भारत में संवैधानिक व्यवस्था पर सुझाव देना था। इस कमिशन में एक भी भारतीय सदस्य नहीं था। कमीशन की धाराओं में भरतीयों को स्वराज्य दिए जाने का कोई जिक्र नहीं था। इसलिए कमीशन का विरोध होने लगा है। इसके विरोध में 'साइमन वापस जाओ' के नारे लगाए गए। कांग्रेस और मुस्लिम लीग ने इसका विरोध किया। साइमन विरोधी प्रदर्शन का नेतृत्व लाला लाजपतराय कर रहे थे।

प्रश्न 4. इस अध्याय में दी गई भारत माता की छवि और अध्याय 1 में दी गई जर्मेनिया की छवि की तुलना कीजिए ।

उत्तर: भारत माता की छवि और जर्मेनिया की छवि की तुलना-

भारत माता की छवि	जर्मेनिया की छवि
1.भारत माता की छवि के एक हाथ में माला, एक में पुस्तक, एक में भोजन तथा एक में कपड़ा है।	1.जर्मेनिया की छवि के हाथ में तलवार है।
2. भारत माता की दूसरी छवि में उसे संन्यासिनी के रूप में दर्शाया गया है।	2.जर्मेनिया की छवि रौद्र में दर्शाया गया है।
3. वह हाथी और शेर के बीच खड़ी है। ये दोनों पशु शक्ति और सत्ता के प्रतीक हैं।	3.जर्मेनिया गुणों से युक्त राष्ट्रीयता व देशभक्ति का प्रतीक है।
4.इसके एक हाथ में त्रिशूल है, जिस पर झंडा लहरा रहा है।	4. जर्मेनिया को राइन नदी पर पहरा देते हुए खड़ी है।
5. इस छवि को अवनींद्रनाथ टैगोर ने 1905 में बनाया।	5.इस छवि को चित्रकार फिलिप वेट ने 1848 में बनाया।

प्रश्न 1.1921 में असहयोग आंदोलन में शामिल होने वाले सभी सामाजिक समूहों की सूची बनाइए। इसके बाद उनमें से किन्हीं तीन को चुन कर उनकी आशाओं और संघर्षों के बारे में लिखते हुए यह दर्शाइए कि वे आंदोलन में शामिल क्यों हुए?

उत्तर: 1921 में असहयोग आंदोलन में शामिल होने वाले सभी सामाजिक समूहों की सूची- शहरी मध्यम वर्ग, व्यापारिक वर्ग, मजदूर वर्ग, किसान वर्ग, आदिवासी वर्ग, बाग़ान मजदूर वर्ग, पूँजीपति वर्ग।
इन वर्गों की आशाएं और संघर्ष निम्न हैं जिनके कारण वे आंदोलन में शामिल हुए।

1. शहरी मध्यम वर्ग- शहरी मध्यम वर्ग को आशाएं थी कि आंदोलन के बाद उनके साथ भेदभाव बंद हो जाएगा। क्योंकि समान पद वाले अंग्रेजों को ज्यादा वेतन मिलता था। इसलिए उन्होंने आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लिया। हजारों विद्यार्थियों ने स्कूल कॉलेज छोड़ दिए। शिक्षकों ने इस्तीफे दे दिए। वकीलों ने मुकदमे लड़ना बंद कर दिया।

2. किसान वर्ग- किसान वर्ग को आशा थी कि उनका लगान कम हो जाएगा, बेगार खत्म हो जाएगा और जमीदारों का अत्याचार खत्म हो जाएगा। किसान वर्ग में भी आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लिया उन्होंने लगान देना बंद कर दिया, जमीनों को गरीबों में बांट दिया गया, अनाज के गोदामों पर कब्जा कर लिया और बाजारों में लूटपाट होने लगी।

3 बागान मजदूर वर्ग- इस वर्ग को आशाएं थी कि उन्हें चारदीवारी से बाहर निकाला जाएगा उन्हें अपने गांव वालों से मिलने की आजादी होगी। इन आशाओं के साथ वह भी आंदोलन में कूद पड़े। वे अधिकारियों के आदेशों की अवहेलना करने लगे। बागान छोड़कर घर जाने लगे।

प्रश्न 2. नमक यात्रा की चर्चा करते हुए स्पष्ट करें कि यह उपनिवेशवाद के खिलाफ प्रतिरोध का एक असरदार प्रतीक था।

उत्तर: नमक यात्रा देश को एकजुट करने के लिए गांधी जी को एक शक्तिशाली प्रतीक के रूप में दिखाई दिया क्योंकि नमक का अमीर-गरीब सभी प्रयोग करते थे। यह भोजन का अभिन्न हिस्सा था इसलिए नमक पर कर का विरोध करके गांधी जी ने आम जनता को आंदोलन में शामिल कर लिया। गांधी जी की नमक कानून तोड़ने की दांडी यात्रा में लोगों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। अत: नमक यात्रा आंदोलन के लिए एक असरदार प्रतीक साबित हुआ।

प्रश्न 3. कल्पना कीजिए कि आप सिविल नाफरमानी आंदोलन में हिस्सा लेने वाली महिला हैं। बताइए कि इस अनुभव का आपके जीवन में क्या अर्थ होता?

उत्तर: मैं एक महिला के तौर पर सिविल नाफ़रमानी आंदोलन में भाग लेकर गर्व महसूस कर रही हूं। मैंने डांडी मार्च में हिस्सा लिया। मैंने नमक बनाकर नमक कानून को तोड़ा। मैंने विदेशी कपड़ों व शराब का बहिष्कार करें। मैंने आंदोलन में पुरुषों के कंधे से कन्धा मिलाकर काम किया।

MUKUTclasses

प्रश्न 4. राजनीतिक नेता पृथक निर्वाचिका के सवाल पर क्यों बँटे हुए थे?

उत्तर: राजनीतिक नेता पृथक निर्वाचिका के सवाल पर निम्न कारण से बँटे हुए थे-

1. पृथक निर्वाचन प्रणाली धर्म व जाति वोट डालने का प्रावधान था अर्थात् एक धर्म का व्यक्ति केवल अपने धर्म के व्यक्ति को ही वोट देगा।
2. अंग्रेजों ने भारत में फूट डालने के लिए पृथक निर्वाचन क्षेत्रों का निर्माण किया। इसलिए कांग्रेस ने इसका विरोध किया।
3. डा बी. आर. अम्बेडकर पृथक निर्वाचन के पक्ष में थे। उनका कहना था कि ऐसा करने से दलितों को राजनीति में प्रतिनिधित्व मिलेगा।
4. मुस्लिम लीग ने भी इसका समर्थन किया। मुहम्मद अली जिन्ना आबादी के अनुसार मुस्लिमों को आरक्षित सीटें चाहते थे।